BEVAE-181

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.एस.सी.जी. / बी.ए.जी. / बीकॉम.जी.)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

1 जुलाई, 2019 से 30 जून, 2020 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2019–2020)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।
3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।
   हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
7) यह सत्रीय कार्य **01 जुलाई, 2019 से 30 जून, 2020 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 30 जून, 2020 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2020-21** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे**। किसी भी पूछताछ के लिए आप कृपया संपर्क करें : subhakanta@ignou.ac.in।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

पाठ्यक्रम कोड : **BEVAE-181**

सत्रीय कार्यकोड : **BEVAE-181/TMA/2019-2020**

कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

खंड क

1. (क) दैनिक जीवन में पर्यावरण के महत्त्व को उदाहरण सहित 120 शब्दों में वर्णन कीजिए। (4x2=8)
   (ख) "सतत् विकास एक लक्ष्य जिसकी प्राप्ति के लिए सभी मानव समाजों को प्रयत्नशील रहना चाहिए।" इस कथन को 120 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

2. नीचे दिए गए शब्दों में अंतर उदाहरण सहित 120 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (4x2=8)
   (क) प्राथमिक अनुक्रम और द्वितीयक अनुक्रम
   (ख) जैव विविधता में प्रत्यक्ष उपयोगिता और अप्रत्यक्ष उपयोगिता मूल्य

3. नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में लिखिए। (5x4=20)
   (क) जैव विविधता हॉटस्पॉट क्या है? भारत को बहु जैवविविधता वाला देश क्यों माना जाता है?
   (ख) महासागरीय जीवजात नितलस्य मंडल और वेलापवर्तीमंडल के बीच अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
   (ग) सतह और भूजल के बीच अंतर बताइए। जल की निम्नीकरण के विभिन्न कारकों को स्पष्ट कीजिए।
   (घ) भूमंडलीय कार्बन चक्र को संक्षिप्त में चित्र की सहायता से समझाइए।

4. किस तरह वन पारिस्थितिकी प्रणाली को समर्थन और वैश्विक तापमान को सीमित करता है। (7)
   उदाहरण सहित 250 शब्दों में वर्णन कीजिए।

5. भारत के पास अत्यधिक क्षमता गैर परम्परागत ऊर्जा के स्त्रोत है। इस वाक्य की व्याख्या (7)
   उदाहरण सहित 250 शब्दों में कीजिए।

खंड ख

6. नीचे दिए गए शब्दों को परिभाषित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। (2x4=8)
   (क) पारिस्थितिक स्त्रीवाद
   (ख) एजेंडा 21
   (ग) भूमंडलीय तापन
   (घ) संकटदायी अपशिष्ट

7. नीचे दिए गए प्रश्नों का 150 शब्दों में लिखिए – (5x4=20)
   (क) लैण्डफिलिंग (भूमिक्षरण) एक महत्वपूर्ण तरीका अपशिष्ट निस्तारण को कैसे सहायता करता है।
   (ख) अम्ल वर्षा क्या है? इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।
   (ग) राष्ट्रीय पर्यावरण विधि–विधानों के प्रर्वतन से उभरें मुद्दों का वर्णन कीजिए।
   (घ) पर्यावरणीय नीतिशास्त्र क्या है? हमारे पर्यावरण के लिए नीतिशास्त्र के नये नियमों की आवश्यकता क्यों है।

8. "वैश्विक जैव विविधता में अधिवास विनाश को एक सबसे महत्वपूर्ण खतरा के रूप में पहचाना गया है।" इस वाक्य के कथन को वर्तमान संदर्भ में उदाहरण सहित 250 शब्दों में व्याख्या कीजिए। (7)

9. प्राथमिक प्रदूषक और द्वितीयक प्रदूषक के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। प्रदूषक किस तरह मानव तथा पर्यावरण में हानिकारक का कार्य करते हैं। इस प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। (7)

10. पर्यावरण निम्नीकरण के रूप में भारत में जन आंदोलन के किसी एक केस की आलोचना कीजिए। इस प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। (8)